॥ श्रीताण्डवषण्मुखस्तोत्रम् ॥

.. Shri TandavasHanmukhastotram ..

sanskritdocuments.org

October 26, 2017

.. Shri TandavasHanmukhastotram ..

॥ श्रीताण्डवषण्मुखस्तोत्रम् ॥

Sanskrit Document Information

Text title : tANDavaShaNmukhastotram

File name : tANDavaShaNmukhastotram.itx

Category : subrahmanya

Location : doc_subrahmanya

Transliterated by : Sivakumar Thyagarajan Iyer shivakumar24 at gmail.com

Proofread by : Sivakumar Thyagarajan Iyer, PSA Easwaran

Description-comments : siddhanAgArjunatantra

Latest update : June 15, 2017

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

October 26, 2017

sanskritdocuments.org

ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ अस्य श्रीताण्डवगुहेशमहामन्त्रस्य ब्रह्मविष्णुमहेश्वरा ऋषयः।
ऋग्यजुस्सामाथर्वाणि छन्दांसि ।
अत्युग्ररूपी भगवान् परशम्भुपुत्रः ताण्डवागुहेशो देवता ।
आं बीजं, ह्रीं शक्तिः । क्रों कीलकम् ।
सर्वदुःखभयनिवारणार्थे जपे विनियोगः ॥

ॐ कुमाराय नमः आनन्दमहाषण्मुखताण्डवेश्वराय हृदयाय नमः
यनमकुमार ब्रह्मोर्ध्वताण्डवेश्वराय शिरसे स्वाहा
मकुमारायन संहारताण्डवकुमाराय शिखायै वषट्
मारायनमकु शिवज्ञानबोधकताण्डवेश्वराय कवचाय हुम्
रायनमकुमा नित्यतृप्तसङ्कल्पताण्डवषण्मुखाय नेत्रत्रयाय वौषट्
नमकुमाराय - सर्वानन्दनित्यताण्डवतृप्तियुताय षण्मुखाय अस्त्राय फट्
भूर्भुवःसुवरोमिति दिग्बन्धः ॥

ध्यानम् -
कोटिसूर्यप्रतीकाशं कोटिमन्मथरूपिणम् ।
चन्द्रशीतांशुवद्ध्येयं सेनान्यं पार्वतीसुतम् ॥

सहस्रशीर्षकं देवं सहस्राक्षं त्रिलोचनम् ।
द्विसहस्रभुजं चैव सर्वायुधसमायुतम् ॥

ब्रह्मविष्णुमहेशानसर्वमण्डलवेष्टितम् ।
भक्तानुकम्पिनं देवं नमाम्यादिगुरुं परम् ॥

करालदंष्ट्रवदनमत्युत्तममहाविभुम् ।
कालरात्रिसुतं विष्णुं प्रलयाग्निसमप्रभम् ॥

मयूरेशं ब्रह्मगुरुं स्वामिनाथं नमाम्यहम् ।
चन्द्रसूर्याग्निनेत्रं तं शिवपुत्रं नमाम्यहम् ॥

गणेशस्य तु वै पार्श्वे सदा संस्थितयोगजम् ।
योगाचार्यं महाप्रभुं भिषग्वर्यं नमाम्यहम् ॥

सर्वसंहारसङ्कल्पं पुनर्वै सृष्टिरेव हि ।
पञ्चकृत्यधरं देवं मूलनाथं नमाम्यहम् ॥

ध्यानपूजोपरि मन्त्रः

ॐ नमो भगवते - श्रीगुरुनाथषण्मुखेश्वराय -
ब्रह्मोर्ध्वताण्डवाय - सहस्रकोटिशक्त्यायुधधराय -
व्याघ्रचर्माम्बरधराय - उग्रत्रिनेत्राय - हं डं उं फट् -
पूर्वद्वारं बद्धां बन्धि - मां रक्ष रक्ष - मम
शत्रून्स्तम्भय स्तम्भय - हं ठं हुं फट् - नमो नमः
स्वाहा -

ॐ रं नमो भगवते - महासेनाय -
विष्णुतुल्यपराक्रमाय - अग्निप्रळयमयूरताण्डवेश्वराय -
सहस्रदिङ्मुखाय - सहस्रत्रिनेत्राय -
शतकोटिकपालमालालङ्कृताय - शार्दूलचर्माम्बरधराय -
द्विसहस्रकोटिखड्गखेटककटकधराय - मां रक्ष रक्ष -
मम शत्रून् जहि जहि - छिन्धि छिन्धि - भीषय भीषय ह्स्रों -
आगच्छ आगच्छ - यं रं अग्निद्वारं बन्धय बन्धय नमो
नमः स्वाहा -

ॐ हं नमो भगवते - कुमारस्वामिने - अग्निपुत्राय -
गणेशकनिष्ठाय - प्रलयकालताण्डवाय - उग्रनखाय -
उग्रदंष्ट्राय - उग्रनेत्राय - वज्रदेहाय - वज्रनखाय -
उग्रमहाभयङ्कराय - त्रिसहस्रकोटिमुसलगदाधराय - मां
रक्ष रक्ष - मम शत्रून् भक्षय भक्षय - हं यं यं
दक्षिणद्वारं बन्धय बन्धय - नमो नमः स्वाहा -

ॐ नृं नमो भगवते - महास्कन्दाय -
परमशिवसदाशिवपुत्राय -
निर्ऋतिताण्डवेश्वराय - क्रूरदंष्ट्राकराळवदनाय -
युगान्तप्रलयकालप्रचण्डोद्दण्डोन्नतस्वरूपाय -
सहस्रकोटिपरशुपाशहस्ताय - घोररुद्राट्टहासाय -
शूरपद्मदृष्टिनाशकाय - आवेशय आवेशय आकर्षय आकर्षय -
अपमृत्युं नाशय नाशय - हं ठं निर्ऋतिद्वारं बन्धय
बन्धय - नमो नमः स्वाहा -

ॐ वं नमो भगवते वल्लीशाय - देवसेनावल्लभाय - बाहुलेयाय -
अमृतताण्डवेश्वराय - अमृतकलशधरकराम्बुजाय -
नवाम्बुदश्यामलाय - शशाङ्ककृतशेखराय -
तारकध्वंसिने - दक्षाध्वरध्वंसिने - दिगम्बरस्वरूपाय -
शक्तिशूलडमरुक-अग्निभाण्डपुष्पबाणधराय - हुङ्कारनाथाय -
उरगमणिभूषणाय - ॐ वं पश्चिमद्वारं बन्धय बन्धय -
ॐ नमः स्वाहा मां रक्ष रक्ष स्वाहा -

ॐ ॐ मं यं नमो भगवते सरस्वतीवल्लभाय - कुक्कुटध्वजाय -
शैलवासाय - पीठाधिपरूपिणे - प्रचण्डताण्डवाय -
त्रिसहस्रकोटिशक्तिखड्गखेटकधराय - कालरात्रिसञ्चार -
भूतप्रेतपिशाचयक्षराक्षससंहारकारणाय - परमन्त्र
परयन्त्र परतन्त्र विच्छेदनाय - वायुद्वारं बन्धय बन्धय
नमः स्वाहा -

ॐ ठं नमो भगवते - कुबेरताण्डवरूपिणे -
एकादशरुद्रात्मकस्वरूपिणे - महाभैरवाय - शूलगदाधराय -
सहस्राकोटिसिंहवाहनाय - निराभासाय - कालमृत्युसंहारणाय -
अनवरतसंहारताण्डवेशस्वरूपिणे - अरूपाय - स्वरूपाय -
सच्चिदानन्दविग्रहाय - आनन्दताण्डवभैरवाय - ॐ ठं
उत्तरद्वारं बन्धय बन्धय - ॐ नमः स्वाहा मां रक्ष रक्ष
स्वाहा -

ॐ ईं नमो भगवते - ईशानताण्डवरूपाय -
मयूरप्रधानवाहनाय - अजवाहनाय -
अग्निरूपभयङ्कराय - दशसहस्रकोटिसिंहवाहनाय -
दशसहस्रकोटिशङ्खचक्रमुसलभिण्डिपालचर्मपात्रधराय -
चक्रेण निकृन्तय निकृन्तय - मुसलेन मारय मारय -
खड्गेन भेदय भेदय - कुठरेण छेदय छेदय -
खट्वाङ्गेन छेदय छेदय - हुं क्षं कल्याणवीरभद्रावताराय -
सहस्राकोटिब्रह्मकपालमालाधराय - ईशानद्वारं बन्धय
बन्धय - मां रक्ष रक्ष ॐ नमः स्वाहा -

ॐ शं सृं प्रों औं - ॐ नमः

प्रलकालाग्निरुद्रावतारताण्डवेश्वराय -
सहस्रकोटिनिर्वाणभैरवपरिपालनाय - आं अट्टहासाय - महासेनाय -
नं शम्भुपुत्राय - आदिशेषावताराय - पातालद्वारं बन्धय
स्वाहा ।

ॐ खं नमो भगवते - महाकुमाराय -
ऊर्ध्वताण्डवात्मकाय - चेरताण्डवाय -
भूतप्रेतपिशाचयक्षराक्षसयमदूतशाकिनीडाकिनीसमस्तदुर्गादिन्
बन्धय बन्धय -

ॐ ह्रीं हुं फट् - आत्मानं रक्ष रक्ष -
वज्रसिंहमुखदंष्ट्राकरालवदनताण्डवेश्वराय -
सहस्रकोटिभद्रकालिदेवतात्रिसहस्रकोटिरुद्राट्टहास-
नववीरवीरभद्रमुखसेविताय -
चतुष्कोटिरामलक्ष्मणभरतशत्रुघ्नहनुमत्सेविताय -
सप्तसहस्रकोटिदुर्गादेवतापरिवारसेविताय -
श्रीशरभसाल्वश्रीशूलिन्यावरणाय - कुमारस्वामिने -
अत्यन्तसौम्यशीतलस्वरूपाय -अवाङ्मनसगोचराय -
अगणितमहिम्ने - मम देहे पादादिकेशपर्यन्तं रक्ष रक्ष मम
शत्रून् भक्षय भक्षय - महायोगेस्वराय - हुं फट् स्वाहा -
पूनर्नमस्ते नमस्ते - श्रीगुरुभ्यो नमः

महापाशुपतास्त्रादिसर्वास्त्रमनुगर्भितम् ।
महाद्भुतमिदं स्तोत्रं प्रदोषेषु पठेत्सदा ॥

इति सिद्धनागार्जुनतन्त्रे श्रीताण्डवषण्मुखस्तोत्रम् सम्पूर्णम् ।

Encoded by Sivakumar Thyagarajan Iyer shivakumar24 at gmail.com
Proofread by Sivakumar Thyagarajan Iyer, PSA Easwaran

.. Shri TandavasHanmukhastotram ..

Searchable pdf was typeset using generateactualtext feature of XeLaTeX 0.99996

on October 26, 2017

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*